सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–**cm-416**
02/10/2018

बापू के विचारों को अपनाकर समाज में काफी बदलाव आ सकता है, यही बापू के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी :– मुख्यमंत्री

पटना, 02 अक्टूबर 2018 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज बापू सभागार, सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती समारोह वर्ष के शुभारंभ के अवसर पर राज्यस्तरीय कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमलोगों के लिए हर्ष का विषय है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयंती के अवसर पर उपस्थित हुए हैं। चंपारण सत्याग्रह का शताब्दी वर्ष मनाया गया है। इस दौरान बिहार के लोगों को जागृत करने के लिए गांधी के विचारों को जन–जन तक पहुंचाने की कोशिश की गई है। गांधी जी के चंपारण आने के 100वें वर्ष की शुरुआत में ही पूर्ण शराबबंदी लागू की गई। इस दौरान समाज सुधार के अनेक कार्यक्रम चलाए गए और इसके लिए समाज सुधार अभियान की शुरुआत की गई। पूर्ण शराबबंदी के द्वारा समाज सुधार की बुनियाद रखी गई लेकिन चंद लोग अपने स्वभाव से गड़बड़ करने वाले होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी जी भी चाहकर सबको आदर्शवादी नहीं बना सके। हालांकि गड़बड़ करने वाले लोगों के साथ कानून सख्ती से कार्रवाई कर रहा है। शराबबंदी के बाद समाज में काफी परिवर्तन आया है और वातावरण बदला है। अब शांति का वातावरण है और शराब छोड़ने के बाद जो पैसे की बचत हो रही है, उसका सदुपयोग बच्चों की अच्छी शिक्षा, खान–पान एवं रहन–सहन पर किया जा रहा है। बिहार में शराबबंदी के असर को देखते हुए अन्य राज्यों में भी शराबबंदी की मांग उठने लगी है। बाहर के लोग राज्य में आकर इसे जानने और समझने की कोशिश कर रहे हैं। हम सबको इस अभियान को सशक्त तरीके से चलाते रहना है और शराबबंदी के संकल्प को जारी रखना है। सरकारी तंत्र भी आदर्शवादी नहीं हो सकता है, गड़बड़ करने पर वे भी सजा पा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के खिलाफ निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। बाल विवाह में कमी आयी है और दहेज न लेने वाले भी सामने आ रहे हैं। 21 जनवरी 2017 को चार करोड़ लोगों ने मानव श्रृंखला बनाकर शराबबंदी के पक्ष में अपनी प्रतिबद्धता जतायी थी। एक वर्ष बाद 21 जनवरी 2018 को बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के खिलाफ मानव श्रृंखला बनाकर राज्य के लोगों ने अपना संकल्प व्यक्त किया था। यह दोनों कार्यक्रम अपने आप में विशिष्ट रहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बापू के विचारों को जन–जन तक पहुंचाया जा रहा है, स्कूली बच्चों द्वारा एक–एक कहानी का कथावाचन स्कूलों में किया जा रहा है। नई पीढ़ी के 10 से 15 प्रतिशत लोग अगर बापू के विचारों से प्रभावित हो जाते हैं तो समाज बदल जाएगा। बापू की सोच के अनुकूल ही राज्य में विकास कार्य को विकेंद्रीकृत तरीके से किया जा रहा है। हर घर नल का जल, शौचालय का निर्माण, बिजली की व्यवस्था हर घर तक की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बापू ने ऐसे भारत का सपना देखा था, जहां सबकी भागीदारी हो, कोई भेदभाव न हो, शराब या दूसरी नशीली चीजों के अभिशाप के लिए कोई स्थान न हो और महिलाओं को भी वही अधिकार प्राप्त हो जो पुरुषों को हो यानि समानता का अधिकार। आज बापू एवं चम्पारण सत्याग्रह से जुड़े उनके सहयोगियों की मूर्तियों का अनावरण किया गया है। गांधी जी ने चंपारण सत्याग्रह के दौरान भी स्वच्छता की नसीहत दी थी। इसके साथ ही

स्वास्थ्य एवं शिक्षा की बात की थी। 20 नवंबर 2017 को बड़हरवा लखनसेन एवं भितिहरवा के स्कूलों का मैंने निरीक्षण किया, इन स्कूलों को गांधी जी द्वारा बुनियादी विद्यालय के रुप में खोला गया था, जिसे फिर से हमलोगों ने पुनर्जीवित करने का निर्णय लिया है। भितिहरवा में चंपारण सत्याग्रह के दौरान माता कस्तुरबा गांधी महीने भर इसी स्कूल में रहीं थीं। भितिहरवा एवं 12 विद्यालयों को जोड़कर गांधी जी की बुनियादी शिक्षा की पुनर्कल्पना को स्थापित किया जा रहा है। इसके लिए डेवलपमेंट मैनेजमेंट इंस्टीच्यूट ने काम करना शुरु कर दिया है। इन विद्यालयों में आई0टी0 की व्यवस्था, कौशल विकास एवं आज के दौर में शिक्षा से जुड़ी अन्य जरुरी चीजों को शामिल किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के 150वीं जयंती समारोह वर्ष की शुरुआत आज 2 अक्टूबर 2018 से हुई है, जो दो वर्ष तक पूरे देश में चलेगा। इन दो वर्षों में बापू के संदेशों को जन–जन तक पहुंचाना है। बापू जेल को सुधार गृह मानते थे, इसे ध्यान में रखते हुए केंद्र एवं राज्य सरकारों ने उन कैदियों को जिन पर गंभीर अपराध नहीं है और उनमें सुधार हो रहा है, उन्हें कारामुक्त करने का निर्णय किया है। बिहार में आज से इस पर अमल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी जी ने कहा था कि शराब न सिर्फ आदमियों से पैसे छिनती है बल्कि अक्ल भी छीन लेती है। शराब पीने वाला इंसान हैवान हो जाता है। शराबबंदी के लिए हमलोग पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं और इससे कोई समझौता नहीं करेंगे। आप पुलिस पदाधिकारियों से भी यह कहना चाहता हूं कि आपलोग लोगों के बीच जाकर उन्हें प्रेरित करें और इसके खिलाफ लगातार अभियान चलाते रहें और गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 जुलाई 2015 को श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में महिलाओं के एक सम्मेलन में उनकी मांग पर ही हमने शराबबंदी लागू की। महिलाओं के उत्थान के लिए कई काम किए गए हैं। जीविका के माध्यम से महिलाओं को जागृत एवं सशक्त किया गया है। पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकाय चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अति पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग, महिलाओं, छात्रों, युवाओं, पिछड़ों, गरीबों, सबके लिए राज्य में अनेक योजनाएं चलाकर उनके कल्याण के लिए काम किया जा रहा है ताकि समाज के हाशिए पर खड़े लोगों को मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। समाज में असमानता खत्म हो ऐसा गांधी जी का भी मानना था। गांधी जी ने कहा था कि पृथ्वी हमारी जरुरतों को पूरा कर सकती है, लालच को नहीं। हमलोगों को पर्यावरण के प्रति सजग रहना होगा और इसके लिए व्यक्तिगत आधार पर ध्यान देना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी जी ने सात सामाजिक पाप बताये थे। सिद्धांत के बिना राजनीति, काम के बिना धन, विवेक के बिना सुख, चरित्र के बिना ज्ञान, नैतिकता के बिना व्यापार, मानवता के बिना विज्ञान और त्याग के बिना पूजा संभव नहीं है। इस मौके पर मंच से ही मुख्य सचिव को मुख्यमंत्री ने आदेश दिया कि थाने से लेकर सचिवालय, पुलिस मुख्यालय और सभी सरकारी कार्यालयों में गांधी जी की उस सीख को पोस्टर के जरिये प्रदर्शित किया जाए। इस पोस्टर में यह भी उल्लिखित करें कि 'पृथ्वी आपकी जरूरतों को पूरा कर सकती है लेकिन लालच को नहीं।' उन्होंने कहा कि गांधी जी की इस सीख को पोस्टर के जरिये सरकारी कार्यालयों और स्कूलों में प्रदर्शित किया जाए ताकि कामकाज में पारदर्शिता और ईमानदारी आ सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन उपदेशों से कुछ लोग प्रभावित होंगे और समाज में बड़ा बदलाव आएगा।

मुख्यमंत्री ने सभागार में उपस्थित लोगों को संकल्प दिलाया कि बापू के सपनों का भारत बनाना है तो शराब नहीं पीने, दहेज को रोकने, बाल विवाह को रोकने में सहयोग करना होगा। मुख्यमंत्री ने दहेज लेने वालों की शादी में नहीं जाने का भी संकल्प दिलाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी जी ने कहा था कि मेरा जीवन ही मेरा संदेश है। हम सबको इससे प्रेरित होकर अपने जीवन को ऐसा ही बनाना होगा। समाज में प्रेम भाईचारे का माहौल रखना है। अपने चरित्र निर्माण पर जोर देना है। सद्भाव का माहौल रहने से समाज की तरक्की होगी। दूसरे धर्म के प्रति सम्मान का भी भाव हो, समाज जाति बंधन से भी मुक्त बने। बापू के विचारों को अपनाकर समाज में काफी बदलाव आ सकता है। यही बापू के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री का स्वागत पौधा एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर किया गया। मुख्यमंत्री सहित मंच पर उपस्थित अतिथियों ने गांधी जी की तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के कलाकारों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के भजन ''वैष्णव जन को तेने कहिये, पीर पराई जाने रे'' की प्रस्तुति की गई।

इसके पूर्व बापू सभागार के बाहर दहेज प्रथा और बाल विवाह के खिलाफ बापू के विचारों एवं संदेशों से संबंधित प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। गौरतलब है कि बिहार में बाल विवाह और दहेज प्रथा के खिलाफ शुरू किए गए अभियान का आज एक वर्ष पूरा हुआ है। बापू सभागार में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के मौके पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बिहार के विभिन्न जिलों एवं प्रखंडों से भी लोग जुड़े थे। मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग द्वारा पूर्ण शराबबंदी पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रस्तुत की गई। चंपारण सत्याग्रह के क्रम में गांधी जी के प्रवास एवं कार्यस्थलों से जुड़े कुल 8 स्थानों पर लगी बापू, पंडित राजकुमार शुक्ल और कस्तूरबा गांधी की कुल 9 मूर्तियों का मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से अनावरण किया। जन शिक्षा निदेशालय शिक्षा विभाग द्वारा गांधी जी के कथावाचन पर निर्मित फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया।

मुख्यमंत्री ने भितिहरवा पश्चिमी चंपारण संकुल के 13 विद्यालयों में गांधी जी के बुनियादी शिक्षा की पुनर्कल्पना कार्यक्रम का शुभारंभ रिमोट के माध्यम से किया। महिला विकास निगम, समाज कल्याण विभाग द्वारा बाल विवाह एवं दहेज उन्मूलन अभियान के द्वितीय चरण के लिए तैयार किए गये तीन वृत्तचित्र का प्रदर्शन भी मुख्यमंत्री के समक्ष किया गया। ये फिल्में बाल विवाह उन्मूलन पर आमलोगों की राय, बाल विवाह एवं दहेज प्रथा पर आधारित जागरूकता से जुड़ी हैं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बाल विवाह एवं दहेज उन्मूलन अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पदाधिकारियों, कर्मियों एवं किशोर–किशोरियों को पुरस्कृत किया। पुरस्कृत होने वाले पदाधिकारियों में नवादा के जिलाधिकारी श्री कौशल कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी वीरपुर सुपौल श्री सुभाष कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी (रजौली) नवादा श्री चंद्रशेखर आजाद, अनुमंडल पदाधिकारी नवादा सदर श्री अनूप कुमार, सी0आई0डी0 पुलिस उपाधीक्षक श्रीमती ममता कल्याणी, पुलिस उपाधीक्षक मो0 इमरान परवेज के नाम शामिल हैं। ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ग्रामीण स्वच्छता पर निर्मित फिल्म "स्वच्छता के बढ़ते कदम" का भी प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर भवन निर्माण विभाग द्वारा महात्मा गांधी के जीवन, बिहार में उनकी यात्रा और चंपारण सत्याग्रह से संबंधित पटना में निर्मित होने वाले 6 मंजिली बापू टावर (एक संग्रहालय) का शिलान्यास मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से किया। बाल विवाह एवं दहेज उन्मूलन अभियान के अंतर्गत राज्य की पंचायतों में प्रदर्शन हेतु जागरुकता रथ एवं कला जत्था को भी हरी झंडी दिखाकर मुख्यमंत्री ने रवाना किया।

समारोह को उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, गांधी संग्रहालय के सचिव श्री रजी अहमद, मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार एवं शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव श्री आर0के0 महाजन ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के परामर्शी श्री अंजनी कुमार सिंह, विधायक श्री ज्ञानेंद्र सिंह ज्ञानू, प्रधान सचिव समाज कल्याण श्री अतुल प्रसाद, प्रधान सचिव गृह श्री आमिर सुबहानी,

मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, सचिव ग्रामीण विकास श्री अरविंद कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के सचिव श्री विनय कुमार, यूनिसेफ के चीफ फील्ड ऑफिसर श्री असद्दुर रहमान, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी श्री बाला मुरुगन डी0, प्रमंडलीय आयुक्त श्री आर0एन0 चोंग्थु, जिलाधिकारी श्री कुमार रवि, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री मनु महाराज सहित अन्य कई गणमान्य व्यक्ति, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, भवन निर्माण विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग से जुड़े पदाधिकारीगण, गांधीवादी विचारक, समाजसेवी एवं जीविका दीदियां उपस्थित थीं।

******